

Bibelleseplan mit den 4B

4 B

Juli 26

August 26

September 26

1	Mi	1. Mo. 1,1-13	Sa	1. Mo. 19,15-38	Di	1. Mo. 27,1-29
2	Do	1. Mo. 1,14-25	So	Psalm 37	Mi	1. Mo. 27,30-40
3	Fr	1. Mo. 1,26-2,4	Mo	Kol. 1,1-8	Do	1. Mo. 27,41-28,9
4	Sa	1. Mo. 2,5-17	Di	Kol. 1,9-14	Fr	1. Mo. 28,10-22
5	So	Psalm 33	Mi	Kol. 1,15-23	Sa	1. Mo. 29,1-14
6	Mo	1. Mo. 2,18-25	Do	Kol. 1,24-29	So	Psalm 42
7	Di	1. Mo. 3,1-13	Fr	Kol. 2,1-7	Mo	1. Mo. 29,15-35
8	Mi	1. Mo. 4,1-16	Sa	Kol. 2,8-15	Di	1. Mo. 30,1-24
9	Do	1. Mo. 4,17-26	So	Psalm 38	Mi	1. Mo. 30,25-43
10	Fr	1. Mo. 6,1-22	Mo	Kol. 2,16-19	Do	1. Mo. 31,1-21
11	Sa	1. Mo. 7,1-24	Di	Kol. 2,20-23	Fr	1. Mo. 31,22-32
12	So	Psalm 34	Mi	Kol. 3,1-4	Sa	1. Mo. 31,33-54
13	Mo	1. Mo. 8,1-14	Do	Kol. 3,5-11	So	Psalm 43
14	Di	1. Mo. 8,15-22	Fr	Kol. 3,12-17	Mo	1. Mo. 32,1-22
15	Mi	1. Mo. 9,1-17	Sa	Kol. 3,18-25	Di	1. Mo. 32,23-33
16	Do	1. Mo. 9,18-29	So	Psalm 39	Mi	1. Mo. 33,1-20
17	Fr	1. Mo. 11,1-9	Mo	Kol. 4,1-6	Do	1. Petr. 1,1-12
18	Sa	1. Mo. 12,1-9	Di	Kol. 4,7-12	Fr	1. Petr. 1,13-25
19	So	Psalm 35	Mi	Kol. 4,13-18	Sa	1. Petr. 2,1-10
20	Mo	1. Mo. 12,10-20	Do	1. Mo. 20,1-18	So	Psalm 44
21	Di	1. Mo. 13,1-18	Fr	1. Mo. 21,1-34	Mo	1. Petr. 2,11-17
22	Mi	1. Mo. 14,1-16	Sa	1. Mo. 22,1-24	Di	1. Petr. 2,18-25
23	Do	1. Mo. 14,17-24	So	Psalm 40	Mi	1. Petr. 3,1-7
24	Fr	1. Mo. 15,1-21	Mo	1. Mo. 23,1-20	Do	1. Petr. 3,8-22
25	Sa	1. Mo. 16,1-16	Di	1. Mo. 24,1-28	Fr	1. Petr. 4,1-11
26	So	Psalm 36	Mi	1. Mo. 24,29-49	Sa	1. Petr. 4,12-19
27	Mo	1. Mo. 17,1-14	Do	1. Mo. 24,50-67	So	Psalm 45
28	Di	1. Mo. 17,15-27	Fr	1. Mo. 25,1-11	Mo	1. Petr. 5,1-14
29	Mi	1. Mo. 18,1-15	Sa	1. Mo. 25,29-34	Di	1. Mo. 34,1-31
30	Do	1. Mo. 18,16-33	So	Psalm 41	Mi	1. Mo. 35,1-29
31	Fr	1. Mo. 19,1-14	Mo	1. Mo. 26,1-35		

Eine Anleitung zum täglichen Bibellesen

Diese Methode dient der geistlichen Vertiefung des Wortes Gottes. Sie hilft dir, die tägliche Bibelstelle als lebendiges Wort in dein Herz aufzunehmen und praktisch umzusetzen.

Bibelvers

- Lese den für den heutigen Tag vorgesehenen Textabschnitt in aller Ruhe.
- Welcher Vers spricht dich heute besonders an?

Beobachten

- Wieso spricht dich gerade dieser Vers an?
- Was löst er in dir aus? (Frieden, Korrektur, Ermutigung oder neue Fragen)?

Benützen

- Was kannst du von diesem Vers für dein Leben lernen und konkret anwenden?
- Wie verändert diese biblische Wahrheit dein Verhalten, dein Denken und dein Handeln im Alltag?

Beten

- Bringe diese Erkenntnisse im Gebet vor Gott.
- Bitte um die Kraft des Heiligen Geistes, diese Wahrheiten heute in deinem Leben wirksam werden zu lassen.